This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No. .....

आपका अनुक्रमांक .....

7333

M.A. / I A

SANSKRIT – Course 3
(Sâhitya : Poetry)

Time : 2 Hours **Maximum Marks : 50**

समय : 2 घण्टे **पूर्णांक : 50**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

टिप्पणी : अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत **या** हिन्दी **या** अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए ।

Note : Unless otherwise required in a question, answers should be written in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English.

नोट : प्रश्न-पत्र पर अंकित पूर्णांक एम.ए. संस्कृत परीक्षा के वर्ग 'ब' (स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग एवं नॉन फॉर्मल सैल आदि) के पूर्व-परीक्षार्थियों के लिए मान्य हैं । वर्ग 'अ' (पूर्व-नियमित विद्यार्थियों) के लिए इन अंकों का समानुपातिक पुनर्निर्धारण परीक्षा-फल तैयार करते समय किया जाएगा ।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए : **10**

Explain with reference to the context any **two** of the following :

(क) प्रत्यासन्ने नभसि दयिताजीवितालम्बनार्थी
जीमूतेन स्वकुशलमयीं हारयिष्यन्प्रवृत्तिम् ।
स प्रत्यग्रैः कुटजकुसुमैः कल्पितार्घाय तस्मै
प्रीतः प्रीतिप्रमुखवचनं स्वागतं व्याजहार ।।

(ख) ब्रह्मावर्तं जनपदमथ च्छायया गाहमानः
क्षेत्रं क्षत्रप्रधनपिशुनं कौरवं तद्भजेथाः ।
राजन्यानां सितशरशतैः यत्र गाण्डीवधन्वा
धारापातैस्त्वमिव कमलान्यभ्यवर्षन्मुखानि ।।

(ग) उत्सङ्गे वा मलिनवसने सौम्य निक्षिप्य वीणां
मद्गोत्राङ्कं विरचितपदं गेयमुद्गातुकामा ।
तन्त्रीमार्द्रां नयनसलिलैः सारयित्वा कथंचिद्
भूयो भूयः स्वयमपि कृतां मूर्च्छनां विस्मरन्ती ।।

2. **संस्कृत** में व्याख्या कीजिये : **5**

Explain in **Sanskrit** :

के वा न स्युः परिभवपदं निष्फलारम्भयत्नाः

अथवा / OR

अन्तःसारं घन तुलयितुं नानिलः शक्ष्यति त्वां
रिक्तः सर्वो भवति हि लघुः पूर्णता गौरवाय ।

3. मेघदूत में प्रस्तुत सुभाषितों के आधार पर कालिदास के अर्थगौरव का उद्घाटन कीजिए । **10**

Introduce meaningfulness of Kālidāsa on the basis of the Subhāshitas of the Meghadūta.

अथवा / OR

मेघदूत में वर्णित पर्वतों का विवरण दीजिए ।

Give the detail of the mountains described in the Meghadūta.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए : **15**

Explain with reference to the context any **three** of the following :

(क) अधीतिबोधाचरणप्रचारणै-
दशाश्चतस्रः प्रणयन्नुपाधिभिः ।
चतुर्दशत्वं कृतवान् कुतः स्वयं
न वेद्मि विद्यासु चतुर्दशस्वयम् ।।

(ख) विभज्य मेरुर्न यदर्थिसात्कृतो
न सिन्धुरुत्सर्गजलव्ययैर्मरुः ।
अमानि तत्तेन निजायशोयुगं
द्विफालबद्धाश्चिकुराः शिरस्थितम् ।।

(ग) किमस्य रोम्णाङ्कपटेन कोटिभि-
र्विधिर्न रेखाभिरजीगणद् गुणान् ।
न रोमकूपौघमिषाज्जगत्कृता
कृताश्च किं दूषणशून्यबिन्दवः ।।

(घ) मदर्थसन्देशमृणालमन्थरः
प्रियः कियद्दूर इति त्वयोदिते ।
विलोकयन्त्या रुदतोऽथ पक्षिणः
प्रिये ! स कीदृग्भविता तव क्षणः ।।

(ङ) पतत्त्रिणा तद्रुचिरेण वञ्चितं
श्रियः प्रयान्त्या प्रविहाय पल्वलम् ।
चलत्पदाम्भोरुहनूपुरोपमा
चुकूज कूले कलहंसमण्डली ।।

5. नैषधीयचरितम् के प्रथम सर्ग के आधार पर महाकवि श्रीहर्ष के पौराणिक ज्ञान पर प्रकाश डालिए । 10

Through light on Puranic knowledge of Mahākavi Śriharsha based on first canto of Naishadhīyacharitam.

अथवा / OR

महाकाव्य के लक्षणों के आधार पर नैषधीयचरितम् का महाकाव्यत्व सिद्ध कीजिए ।

Based on the definitions of the mahākāvya prove that the Naishadhīyacharitam is also a mahākāvya.